NATIONAL BOARD OF SCHOOL EXAMINATION

Q.No.	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	TOTAL
MARKS	10	0\	03	04	04	20	06	05	06	05	48
						72	00171 - 3	40	40	20	TOTAL
Q.No.	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	TOTAL
MARKS	06	06	05	05	05	05	5 THC	7-15	190	4.5	32
Q.No.	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	TOTAL
MARKS											
Q.No.	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	TOTAL
MARKS	7.5	- I FIL	4-1	Trad -	Fig. 1	NO. T	reelf T	Pilo	F	Title 5	7 751

Examiner must fill above boxes with question-wise marks obtained by student.

GRAND TOTAL

80

MARKS IN WORDS

Certified that I have evaluated this answer book according to the correct set of question paper and strictly as per the NBSE marking scheme. I also certify that no question has been left un-assessed inside the answer book.

Signature of the Examiner

Certified that marks against each question in the table above have been correctly filled up in accordance with the evaluation done inside the answer book. The marks have also been transferred in the award list/web/app correctly against the roll number of the candidate.

Signature of the Co-ordinator

(To be filled by the student)

Note: Roll No. provided by NBSE to be filled here.

Roll No.

Student should write code no. as written on the top of the question paper in the box provided

No. of supplementary answer-book(s) used (if any)

प्रक्रत 1. (क) प्रेम में क्या विशेषता होती है?

उत्तर : प्रेम कठोरता को कोमलता में बदल सकता है। वह पत्थर को नवनीत, भाज को

(ख) होमर लेन क्या करता था?

उत्तरः होमर लेन कठोरतम अपराधी को आक्षम में श्राह्मी करता थातथा प्रेमपूर्ण

आ) होमर ने विसे आक्षम में भिरी करने की माँग की? अगर: कोर्ट में हेसा लड़का आया जिसने तीन बार न्योरी की भी। उसे तीन वर्ष की जित का दुक्स हुआ, तब होसर ने उसे आक्षम में अती करने की साँग

हा) आभा के लड़के तंग क्यों आ गई थे? अतर : लड़के का उद्दंड व्यवहार और तोड़-फोड़ की वृत्ति से आभा के भारे लड़के

उत्र: प्रेम की कारित।

		3
(-ਹ)	मिविप, अंबर का विभाम अंबर मित्रिक ।	
उत्रः व-	-Clot 1 1960 10 12 12 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18 18	
	The state of the s	
	खेड - रव	
<u>42-12.</u>	पद की परिश्राधा उदाहरण सिंहत दीजिए।	obstate in
372: 27	हत जब व्याकरण के अनुसार वाक्य में प्रथुक किए जाते हैं, पद कहलाते हैं।	
(1) 30	(18२०): मोहन खाना खाता है।	
	THE STATE OF THE PART OF THE STATE OF THE ST	
प्रवन उ. नि	किनालीखर वाक्यों को निर्देशानुसार बदालेष्ट-	36
(a ₁)	सुभाव बाबू को पकड़कर लाल बाज़ार लॉक अप में भोज दिया गया।	
उत्तर कि)	सुआष बाबू को पकड़ लिया गया अरीर लाल बाज़ार लॉकअप में भ्रोज दिया गया।	
A	सावित्री का गाँव छोटा है और उसके चारों और अंगल है।	
	सावित्री के छोटे-से गाँव के चारों और जंगल है।	Fat
	The bound in the in a least to	

वा) ततारा को देखकर वह फूटकर रोने लगी। (सिम वाक्य में बदालह) अत्रय हा। जैसे ही उसने ततांवा को देखा, वैसे ही वह पूर्वकार रोने लगी। 3 प्रथम के निम्नालिकी समस्त पदीं का विग्रह की पिए तथा समास का नाम लिखिए-सतसई, नीलकण्ड 3-12 (क) सपसई: साप भी दोष्ठी का समीद - दिग्र क्रमांस नीलकाण्ड - जीला है काण्ड जिसका क्षित्र) - बहुवीहि समास (ख) निम्नालाखत विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए-सत्य के लिए आग्रह, देह कपी लता to be precious brown with thought the term mining to उन उतरः सत्य के लिए आग्रहः- सत्याग्रह - तत्पुरुष अमास देह रुपी लता: देहलता - कर्मधारम समास 37 प्रश्ने 5 निम्न लिखत बावयों को शुद्ध करके विश्विष्ट -क) वह एक छह मंपिला इमारत भी।

उत्तर क) वह हक हार मालुभी इमहत भी। खा) जुल्ती को गर्म त्याला याथ का दो। उत्तर भा कुन्ती को गर्म चाय का प्याला दो। गा) विना काछार तरिक्षम क्षिप्त प्रेम सामें नहीं हा सक्पा 345 मा काहन पार्वभम के विना क्रम स्थापन नहीं हो सकारे। दा) क्या आप भोजन किह है? उत्तर हा। क्या आपने भोजत किया है? प्रथम द. अन्येत मुहावरी द्वारा रिकत स्थानी को पुरा कीलिए-उत्तर: क) रानी लक्ष्मीबार्ड में अंग्रेज़ों के द्वक द्वुड़ा प्रिट् ळ) जब हमारी कमा में आ और लाला, तब दांती क्ले पसीना आहें रेड़ वा) आलाशा वेसे तो महामुख है परंतु इस बार कथा में अव्वल आया है इसे

L			
	91) क्यांत क न वहें आह माहब का अन्यसार लीवन की समास कुम आप हुं	
	डेत र ः	जीवन की समझ किताबी ह्याम से नहीं अन्डअव से आती है। मास्टर जी की माँ अभेर दादा-दादी अन्डअंव के आंबार पर समस्याओं का मिदान करते थे।	
	দূহন ৪	वज़ीर अली कीन या? उसके चारित्र की क्या विशेषताँ हैं? अपने शबदों में	
	उत्तर :	'कारदूस' कहानी में वाजीर असी को हक बहादुर साहसी और निहर का मिल या कितल व कारनामां वाले व्यक्ति के रूप में दर्शामा गया है। वाजीर असी आसन से वांचित कर उसके दासा को उसका राज्य सींच दिया था। तब या वि अंग्रेजों का कद्रुर विरोधी हो गया था। उसका यह उद्च्या या वि अंग्रेजों को अपने देश से निकाल बाहर फंकना। वह हतना वहादुर व निहर व्यक्ति था। कि अनेले ही अंग्रेजों सेना के खेमे में वहादुर व निहर व्यक्ति था। कि अनेले ही अंग्रेजों सेना के खेमे में	
	प्रक्रन व	. जिम्नाश्राचित प्रक्रमों में से किन्हीं तीन के उत्तर किर्वाक्ष —	

C

उत्तरः स्मान्य जेठ की दोणहर और मानव जगत के लिए सक्न करना असंभव हो जाता है। तेज हुए से बचने के लिए मानव खाया में जी उक्षाता का क्राया में जी उक्षाता का क्राया में भी उक्षाता का क्राया में भी उक्षाता का क्राया में भी उक्षाता का क्राया के कारवा हिए रही हो हूप से बचने के तिए।

ग) कार्व स्टिक को सदेव अपने साम रखने की समाह क्यों दी है?

उत्तरः कार्य में निंदक को स्तेव अपने पास 2 अवने की अलाह इसालिह दी है तारि मिंदल वार - वार असके अलामियों को दुंदलर बतार म जिससे अपनी कामियों को जान जाव जान पाए और अपनी कामियों को दूर कर पाए। प्रका 10. पर्वत प्रदेश में पावस कावता का प्रात्माद्य अपने शब्दों में विश्विष्टा उत्तरः पावस त्रेक में पर्वतीय प्रदेश पर होने वाले प्रकृति के क्रम मा प्रतिभाग परिवर्षस का ठाकर कियां है। वर्षतों के नीचे का रामाव दर्पण के समान था यहां है। तव्य बात्य शती तंत्रव प्राव्या अगळा अगळाता में उट यह है। बादें था के हारती पर आ जाने के कारण हेसा लग रहा है कि जीने आस्सान हारती पर आ गया हो और कोहरा हुई की वह लग रहा है। जिसके कारण लग रहा है कि तालाव में आग मंग गया हो। प्रनात का रूपमान की पादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थीं? उपाहरण साहत बताइए and the state of t उत्तर : इंग्लान की हादी मीलवी की बेटी न होकर ज़मीदार की बेटी भी। वह वहाँ दूरा, धी, ८ही ज्यारी भी। अजना अ साकार वह इसके सिए तरस गई बर्जा के महा मीलावन बनकर रहना पड्रता चा। पीहर जाकर वह स्वतंत्रता अन्डअप करती थी। का लेखक बचपन में नानेहाल में किस पुकार समय बितायां करता था? लेखक मिहाल में जाकर खूब खेलता था। नानी बहुत प्यार करती भी। नानिहाल में तालाव में जाकर दोपहर तक नहाया करता था। मिलों के साथ प्रशादित यो लना अनिद्वायक था।

	10	खंड - द्य	
Ŋ		2. भीमा नीरतेत में से विसी एक विषय पर 80-100 शहरों में अनुस्वेद निर्वाखिए-	
(3)	: उत्तर :	कि) विद्यार्थियो पर दूरदर्शन का प्रभाव	
3	J (6)	है। त्रीविषत आज सबसे आम जन संचार माध्यमों में से एक है। हम दीन विजन में विश्वीचन कार्यक्रमों और विद्यापनों को देखने हैं। विश्वीचन दीनविजन नैचल अपने	
(- -	अथ विकापन में से कुश व्यस्क सामग्री और धे जो बच्चों को बरी तरह प्रजावित	
3		कर सकते हैं। कुछ विद्यापन मंद्रगे उत्पाद करीदते के त्रिष्ट बच्चों को प्रशासित	
		स्वभाव में बहुत प्रभाव पड़ता है। अवस्थर बच्चे माता -पिता से जिद करने लगते हैं। वि हमें यह चाहिए। कई बार चीज़े इतनी महंगी होती है कि माता -पिता व्यरीद नहीं सकते और	
3		बच्चे इसी कारण गलत शस्ते पर न्वल पड़ते है। बच्चे दूरदर्शन पर कुछ	
		बच्चों और उनके प्राता-िपता के बीन्य रिश्ते खराब हो जाते हैं। गलत दंग से टेप्लीविजत देखते यह के से अनेक हानियों का पता लगा है। इस तरह से दूरदर्शत ने युवा पीदी के जीवत पर बहुत आधिक जन्नाव डाला है।	
37	1-	6	

प्रत-13, अपने विद्यालय के छ्यानाचार्य को लगभग 80-100 शहरों में एक प्रातिख्या प्रस्तिकार के प्रतिख्या अपने का का प्रतिख्या की प्रस्ते मंगवान के तिह

अतरः सेवा में

प्रधानाचार्य,

क ्ष्यां विद्यालय

करोल बाग

19-110n : 02-02-2020

विषय: पुरतकालय में हिन्दी कहानियों और कविताओं की पुरतक मंगवाते हेतु पत्र

महोद्य,

सानिय निवेदत यह है। के रात सपाह आपने प्राप्ता समा में विद्यार्शियों को संबोधित करते हुए विद्यालय के प्रस्तकालय की अपभाक्ष उपयोगिता पर जिल्लाहा हाता था। आपने हलतें को प्रस्तकालय से अन्हरी - अन्हरी प्रस्तकालय में विद्यार्शियों करने के तिल्ल प्रस्तकालय में विद्यार्शियों तथा कारिताओं के प्रस्तकों की अन्नाव है। अंग्रेजी की बहुत प्रस्तक हैं परन्तु हिन्दी की न के बराबर। अतः आपसे नम् निवेदत हैं कि हिन्दी कहानियों हवं कारिताओं की प्रस्तक मंगवान की कावस्था करे। प्रस्तकों के अह्ययत से हल्ला की कावस्था करे। प्रस्तकों की अह्ययत से हल्ला की कावस्था करे। प्रस्तकों की अह्ययत से हल्लाह की के स्वाहित्यक जान में वृद्धि होगी हवं उनका मनोरंपत भी

प्रकार विश्वल दिवस के कार्यक्रम को तेकार विद्याणियों के बीच बातचीत को लगमा उठ-६० शबदों में संवाद श्रेली में विविध 34518 मोहिनी: नमस्ते द्या, क्या सीच रहे हो? उथा : ही, भी नमस्ते मोहिती, भी सोच रहा हूँ कि कल छित्रिक को कल ाशीसका दिवस में कमा दू ? माहिनी : हाँ, कल खिला विवस है। (21): हां, हमें अपने खिला को लिए जुन अल्हा काम करना चाहिए, में सीच माहिनी विद्या अच्छा विचार है। इस काम में भे भी तुम्हीरी सद्द कारंगी। द्याः हाँ, हम दोनां भिलकार कार्वता लिखां तो बहुत पत्ति और अच्छी कारिता किए परिने। मोदिनी: अ ठीक है। न्यतो, अहर करते है काविता लिखना